नईदुनिया

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ब्रीफ

बिरला समूह ने दिए बंगाल में निवेश बढ़ाने के संकेत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आदित्य बिरला समूह के निवेश और मौजूदा संयंत्रों के विस्तार को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और आदित्य बिरला समूह के चेयरपर्सन कुमार मंगलम बिरला के बीच मुलाकात हुई। बैठक के बाद शमिक भट्टाचार्य ने बताया कि बातचीत के दौरान पश्चिम बंगाल में बिरला समूह के निवेश और उसके मौजूदा प्लांट्स के विस्तार को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कुमार मंगलम बिरला ने बंगाल में निवेश बढ़ाने और अपनी औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार में रुचि दिखाई है। शमिक भट्टाचार्य के अनुसार, सरकार बदलने के बाद उन्होंने कुमार मंगलम बिरला को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि राज्य में उद्योग और निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं और बिरला समूह को भी बंगाल में अपनी गतिविधियों का विस्तार करना चाहिए। इसके बाद कुमार मंगलम बिरला की ओर से सकारात्मक जवाब मिला और दोनों के बीच मुलाकात हुई। शमिक ने बताया कि बैठक सकारात्मक रही और पश्चिम बंगाल में बिरला समूह के मौजूदा कारोबार तथा संयंत्रों के विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बिरला परिवार का पश्चिम बंगाल से पुराना संबंध रहा है और कारोबारी गतिविधियों के अलावा सामाजिक एवं संस्थागत स्तर पर भी परिवार की राज्य में मौजूदगी रही है। शमिक ने यह भी कहा कि अतीत में श्रमिक आंदोलन और औद्योगिक परिस्थितियों के कारण आदित्य विक्रम बिरला को अपना कार्यालय मुंबई स्थानांतरित करना पड़ा था, हालांकि बिरला परिवार का बंगाल से जुड़ाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ।

टाइटन छोटी कंपनियों में निवेश या अधिग्रहण को तैयार, त्योहारी और शादी के सीज़न में मज़बूत मांग का अनुमान

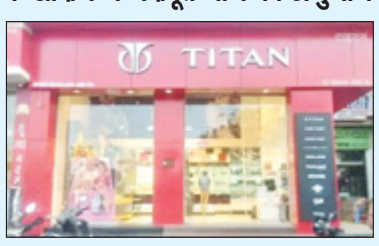

मुंबई। टाटा ग्रुप की अग्रणी कंपनी टाइटन अपने प्रीमियम और लक्जरी घड़ी कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। इस रणनीति के तहत कंपनी छोटी और उभरती हुई घड़ी कंपनियों में निवेश करने या उनका अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। टाइटन को आगामी त्योहारी सीजन में उपभोक्ता मांग में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है, जिससे कंपनी के विस्तारवादी एजेंडे को और गति मिलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार टाइटन कंपनी की एक अधिकारी ने इस वर्ष शादी के सीजन के जल्दी शुरू होने और दिवाली के देर से पड़ने के कारण मांग में मजबूती आने का अनुमान लगाया है। यह भी स्वीकार किया कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी अपनी आपूर्ति क्षमता बढ़ाने पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम बहुत मजबूत मांग की उम्मीद कर रहे हैं और त्योहारी सीजन की शुरुआत काफी अच्छी रही है। सच कहें तो, हमें बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए जरूरी आपूर्ति क्षमता सुनिश्चित करने में चुनौती आ रही है।

चीन पर निर्भरता घटाने के लिए पांच-सात हजार करोड़ की योजना लाए सरकार: एसीएफआई

नई दिल्ली। उद्योग निकाय एग्रो केम फेडरेशन आफ इंडिया (एसीएफआई) ने सरकार से कृषि रसायन तकनीकी और मध्यवर्ती उत्पादों में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 5,000 से 7,000 करोड़ रुपये की सहायता योजना लाने की मांग की है। यह कदम चीन के कम लागत लाभ का मुकाबला करने में मदद करेगा। परामर्श फर्म केपीएमजी के सहयोग से तैयार की गई एक रिपोर्ट में एसीएफआई ने सात से आठ वर्ष के कार्यक्रम का प्रस्ताव दिया है। इसमें संयंत्र स्थापित करने के लिए 2-3 वर्ष और उसके बाद उत्पादन सहायता शामिल है। रिपोर्ट में वृद्धिशील बिक्री पर 5-8 प्रतिशत प्रोत्साहन तथा औद्योगिक बिजली और साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्रों पर 30-40 प्रतिशत सब्सिडी देने की सिफारिश की गई है। यह योजना नई और मौजूदा विस्तार परियोजनाओं, दोनों के लिए बड़ी तथा छोटी इकाइयों को शामिल करते हुए निवेश की क्रमिक सीमा तय करेगी। रिपोर्ट में विशेष अनुसंधान एवं विकास के लिए पूंजीगत अनुदान की भी मांग की गई है। एसीएफआई ने जोर दिया कि किसी भी नीति का उद्देश्य स्थायी संरक्षण नहीं, बल्कि उन संरचनात्मक कमियों को दूर करना होना चाहिए जो प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचाती हैं।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एशियाई बाजार में भी तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,650.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 104.25 अंक यानी 0.39 प्रतिशत उछल कर 26,522.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 169.53 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,852.17 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स 156.66 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,659.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 121.91 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,065.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 412.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत लुढ़क कर 25,304.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत टूट कर 6,413.75 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,395 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 5,669.06 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 124.78 अंक यानी 1.81 प्रतिशत की उछाल के साथ 7,019.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निक्केई इंडेक्स की चाल में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 882.70 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65,018.95 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 391.77 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,572.52 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,933.37 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 123.22 अंक यानी 0.50 प्रतिशत उछल कर 24,874 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,592 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

किआ कैरेंस क्लैविस अब आटोमैटिक और नए विकल्प के साथ उपलब्ध

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय एमपीवी कैरेंस क्लैविस के आटोमैटिक वेरिएंट को अब किआ इंडिया निचले स्तर के वेरिएंट में भी उपलब्ध करा दिया है। कंपनी ने पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन के साथ आटोमैटिक विकल्प को निचले वेरिएंट तक पहुँचाया है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 14.67 लाख रुपये है। अब कैरेंस क्लैविस के एचटीई (ओ) वेरिएंट में 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ 7-स्पीड डीसीटी गियरबाक्स दिया गया है। इसी तरह, एचटीई (ईएक्स) वेरिएंट में भी यही टर्बो-पेट्रोल इंजन और डीसीटी मिलता है, जिसकी कीमत 15.22 लाख रुपये है।

डीजल पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए, एचटीई (ओ) वेरिएंट में 1.5-लीटर डीजल इंजन के साथ 6-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स उपलब्ध है और इसकी कीमत 15.82 लाख रुपये है। आटोमैटिक टर्बो-पेट्रोल वेरिएंट की कीमत इसके मैनुअल विकल्प से 2.33 लाख रुपये अधिक है, जिसका कारण मैनुअल में 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और आटोमैटिक में ज्यादा शक्तिशाली 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन का मिलना है। आटोमैटिक वेरिएंट में कीलेस एंट्री, पुश-बटन स्टार्ट/स्टाप, इलेक्ट्रानिक पार्किंग ब्रेक और ड्राइव मोड जैसे कुछ अतिरिक्त फीचर भी मिलते हैं। कैरेंस क्लैविस में तीन इंजन विकल्प हैं: 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (115 पीएस), 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल (160 पीएस), और 1.5-लीटर डीजल (116 पीएस)।

यह 6 और 7-सीट विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें पीछे की सीटों पर स्लाइड और रिक्लाइन सुविधा है। इसमें 12.3-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, और 6 एयरबैग तथा लेवल-2 एडीएएस जैसे सुरक्षा फीचर भी दिए गए हैं। किआ कैरेंस क्लैविस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.39 लाख रुपये है और यह मारुति अर्टिगा, टोयोटा इनोवा क्रिस्टा जैसी एमपीवी और महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ जैसी एसयूवी से मुकाबला करती है।

एचडीएफसी बैंक में नए सीइओ की प्रक्रिया तेज

मुंबई। देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के शेयर अगले एमडी और सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया के चलते निवेशकों के फोकस में हैं। बैंक ने इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दो नाम भेजे हैं, जबकि मौजूदा सीईओ शशिधर जगदीशन का कार्यकाल अक्टूबर 2026 में समाप्त होगा। इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने से ब्रोकरेज हाउसेस ने बैंक के शेयरों पर सकारात्मक रुख अपनाया है। जेफरीज, नोमुरा, बर्नस्टीन और मैक्वेरी जैसे ब्रोकरेज ने एचडीएफसी बैंक के शेयर पर बाय या आउटपरफार्म रेटिंग के साथ 880 से 1,150 रुपए तक के टारगेट दिए हैं; 1,150 रुपए का उच्चतम लक्ष्य है। ब्रोकरेज का मानना है कि समय पर सीईओ की नियुक्ति से नेतृत्व अनिश्चितता कम होगी। डिप्टी एमडी कैजाद भरूचा प्रमुख आंतरिक उम्मीदवार बताए जा रहे हैं। नोमुरा के अनुसार आंतरिक सीईओ निरंतरता लाएगा, जबकि बाहरी सीईओ रणनीति बदल सकता है। बाजार नए सीईओ की रणनीति पर भी नजर रखेगा। बैंक बोर्ड ने जिमी टाटा को होल-टाइम डायरेक्टर बनाने और एक अतिरिक्त पद का भी प्रस्ताव रखा है, जिससे दीर्घकालिक उत्तराधिकार योजना मजबूत होगी।

इक्विटी म्युचुअल फंड से जुड़ें, बाज़ार की तेजी का हिस्सा बनें

लंबी अवधि में धन सृजन का सशक्त माध्यम, समझें फायदे और जोखिम

नई दिल्ली

आज के दौर में निवेश के अनेक विकल्प हैं, लेकिन इक्विटी म्युचुअल फंड निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, खासकर लंबी अवधि में धन सृजन चाहने वालों के लिए। यह फंड निवेशकों के पैसे को शेयर बाजार में लगाते हैं और पेशेवर फंड मैनेजरों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं, जो जोखिम को कम करते हुए बेहतर रिटर्न दिलाने का प्रयास करते हैं। इक्विटी म्युचुअल फंड दरअसल एक ऐसा निवेश माध्यम है जहाँ विभिन्न निवेशकों से एकत्रित धन को मुख्य रूप से शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इन निधियों का प्रबंधन अनुभवी फंड मैनेजरों द्वारा किया जाता है, जो बाजार अनुसंधान के आधार पर निवेश संबंधी निर्णय लेते हैं।

अगर शेयर की कीमतें बढ़ती हैं, तो फंड की कुल वैल्यू भी बढ़ती है, जिससे निवेशकों को लाभ होता है। निवेशक इक्विटी म्युचुअल फंड में दो प्रमुख तरीकों से निवेश कर सकते हैं: एकमुश्त निवेश (लंपसम), जिसमें एक बार में बड़ी राशि लगाई जाती है; और व्यवस्थित निवेश योजना, जहां निवेशक हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश करते हैं। नए निवेशकों और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक माना जाता है।

जानकारों के अनुसार इक्विटी म्युचुअल फंड में निवेश कर निवेशक शेयर बाजार की ग्रोथ का हिस्सा बन सकते हैं। यह लंबी अवधि में धन बनाने का एक प्रभावी तरीका है, जिसमें पेशेवर फंड मैनेजरों की विशेषज्ञता से जोखिम को बेहतर ढंग से संभाला जा सकता है। इन फंडों के कई फायदे हैं, जैसे विविधीकरण (पैसा कई कंपनियों में बंटा होता है), पेशेवर प्रबंधन (विशेषज्ञों द्वारा निवेश संभाला जाता है), लंबी अवधि में आकर्षक रिटर्न की संभावना और आसान तरलता। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है, जिससे समय के साथ एक बड़ा कार्पस तैयार होता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इक्विटी म्युचुअल फंड बाजार के जोखिमों से जुड़े होते हैं। इसलिए निवेशकों को अपनी जोखिम वहन करने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से समझना चाहिए। बाजार में अस्थिरता के दौरान घबराहट में निर्णय लेने के बजाय, दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाए रखना और नियमित निवेश जारी रखना महत्वपूर्ण है।

ग्लोबल सेमीकंडक्टर बाजार, 2026 तक 1.6 ट्रिलियन डालर के पार

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते निवेश ने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक यह बाजार 1.6 ट्रिलियन डालर के आंकड़े को पार कर जाएगा, जो पहले के अनुमानों से डेढ़ गुना अधिक है। यह अनुमान एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में अमेरिकी और चीनी हाइपरस्केलर कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश का सीधा परिणाम है।

कोरिया एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के रिसर्च सेंटर द्वारा वैश्विक बाजार अनुसंधान कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2026 में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 1.6 ट्रिलियन डालर का आंकड़ा छू लेगा। यह आंकड़ा पिछले साल तक लगाए गए अनुमान से कहीं ज़्यादा है, जिसमें 2030 तक ही 1 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने की संभावना जताई गई थी। इस तीव्र वृद्धि का मुख्य कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर संचालित करने वाली प्रमुख अमेरिकी और चीनी कंपनियों द्वारा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को तेजी से बढ़ाना है।

सैमसंग और एसके हाइनिक्स का दबदबा बरकरार रहेगा

हालांकि, एआई उद्योग के कुछ हिस्सों में तकनीक पर नियंत्रण खोने की चिंताओं के चलते इसके विकास की रफ्तार धीमी करने की मांग भी

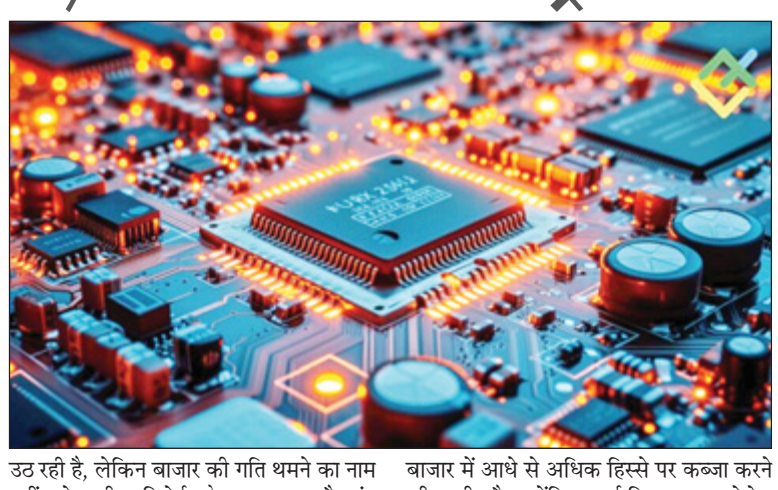

उठ रही है, लेकिन बाजार की गति थमने का नाम नहीं ले रही। रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रानिक्स कंपनी और एसके हाइनिक्स इंक द्वारा निर्मित मेमोरी चिप्स वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में आधे से अधिक हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद है, क्योंकि एआई सिस्टम द्वारा प्रोसेस किए जाने वाले डेटा की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने के अंत तक डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी और एनएएनडी फ्लैश मेमोरी चिप्स की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में क्रमश: 4.4 गुना और 9 गुना की बढ़ोतरी देखी गई है। नवीनतम अनुमान बताते हैं कि अगले साल से मेमोरी चिप्स की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है।

इसके बावजूद, मजबूत मांग के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वृद्धि जारी रहेगी और 2030 तक इसके लगभग 2 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बड़ी टेक कंपनियां सैमसंग इलेक्ट्रानिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी मेमोरी चिप निर्माता कंपनियों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रही हैं, जिससे सेमीकंडक्टर उद्योग को पहले की तुलना में अधिक स्थिरता मिलेगी। उद्योग के सूत्रों के अनुसार एआई में निरंतर निवेश और एआई सेवाओं के विस्तार को देखते हुए निकट भविष्य में मेमोरी चिप बाजार की रफ्तार धीमी पड़ना मुश्किल है।